मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD–018

एम. ए. (हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम. एच. डी.-018 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. दलित साहित्य की अवधारणा पर प्रकाश डालिए। 10

2. महात्मा ज्योतिबा फुले के वैचारिक संघर्ष की विवेचना कीजिए। 10

3. दलित साहित्य चिन्तन के वैचारिक आधारों की चर्चा कीजिए। 10

4. जातिप्रथा उन्मूलन के लिए डॉ. अम्बेडकर द्वारा सुझाए गए विचारों को रेखांकित करते हुए अपना मंतव्य स्पष्ट कीजिए। 10

5. 'हरिजन गाथा' में अभिव्यक्त दलित जीवन के सत्य पर विचार कीजिए। 10

6. निराला साहित्य में निहित दलित जीवन की विवेचना कीजिए। 10

7. श्री नारायण गुरु के धार्मिक बंधनों से मुक्ति के आन्दोलन की समीक्षा कीजिए। 10

8. पेरियार के आत्म सम्मान आन्दोलन की क्रान्तिकारी भूमिका पर प्रकाश डालिए। 10

9. हीरा डोम की 'अछूत की शिकायत' कविता में अभिव्यक्त चेतना की विवेचना कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2\times5=10$

(क) अछूतानन्द के समाज सुधार आन्दोलन

(ख) नागार्जुन की दलित प्रतिबद्धता

(ग) डॉ. अम्बेडकर के स्त्री शिक्षा सम्बन्धी योगदान

(घ) दलित आत्मकथाओं का साहित्यिक योगदान

× × × × ×